किन्तु U या V-shaped कहने से कोई विशेष अन्तर नहीं होता। VC में सिर्फ MC होता है यह निम्नलिखित बीजगणितीय विधि से स्पष्ट है।

$$MC_n = TC_n - 1 = (TVC_n + TFC) - (TVC_n - TFC)$$
$$= TVC_n + TFC - TVC_n - 1 - TFC$$
$$= TVC_n - TVC_n - 1$$

जब सभी अल्पकालीन औसत लागत को एक साथ औसत लागत के न्यूनतम बिन्दुओं को मिलाते हुए दीर्घकालीन औसत लागत वक्र रेखा लेती है। जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है।

यह AC पूर्ण U-shaped नहीं होता बल्कि यह थालियों के आकार या द्वितीया के चाँद के आकार के समान होता है। इसकी तुलना कुछ अर्थशास्त्रियों ने भारतीय औरत के necklace से की है। उत्पादन के आन्तरिक और बाहरी लाभ के आधार पर इनके आकार में परिवर्तन भी होता है।

उदाहरणार्थ, Prof. Kaldor, Mrs. Robinson Stigler आदि के अनुसार दीर्घकाल में सभी उत्पादन के साधनों के पूर्ण विभाजन दीर्घकालीन औसत लागत सीधी क्षैतिज रेखा होगी। अर्थात् उत्पादन में कितना भी परिवर्तन हो, लागत व्यय पर उसका असर नहीं होगा। जैसा कि निम्नांकित रेखाचित्र में दिखलाया गया है:-

लागत

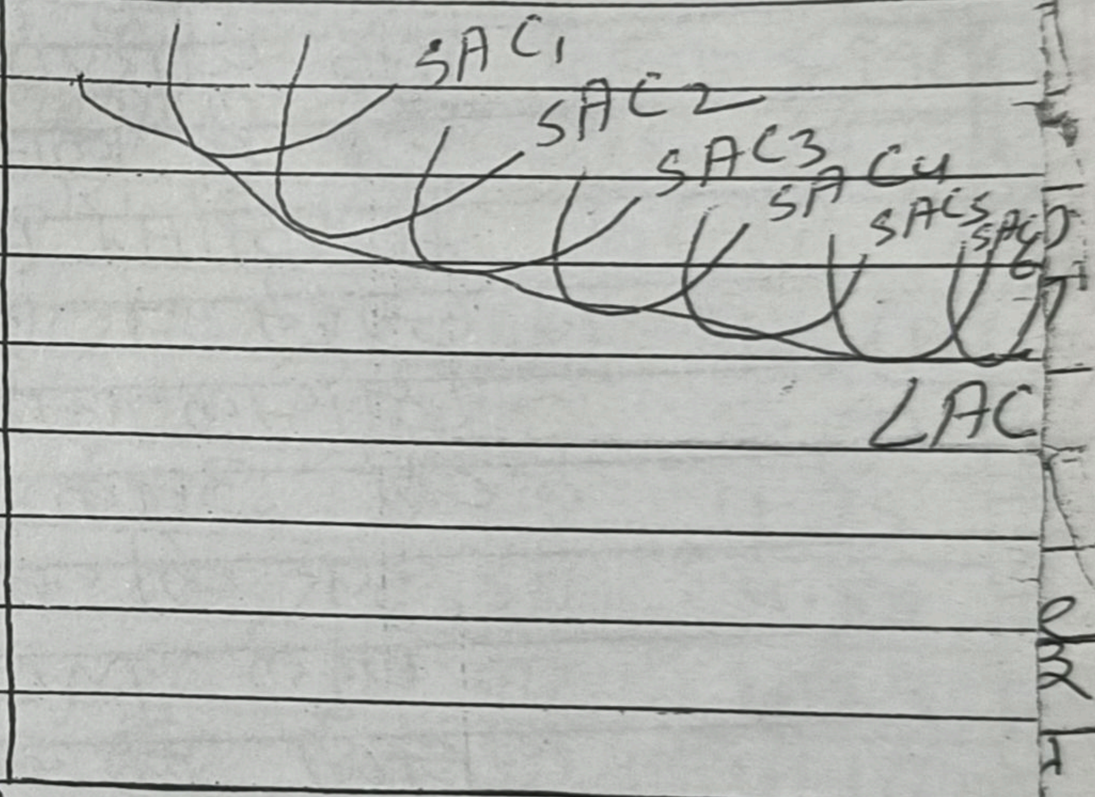

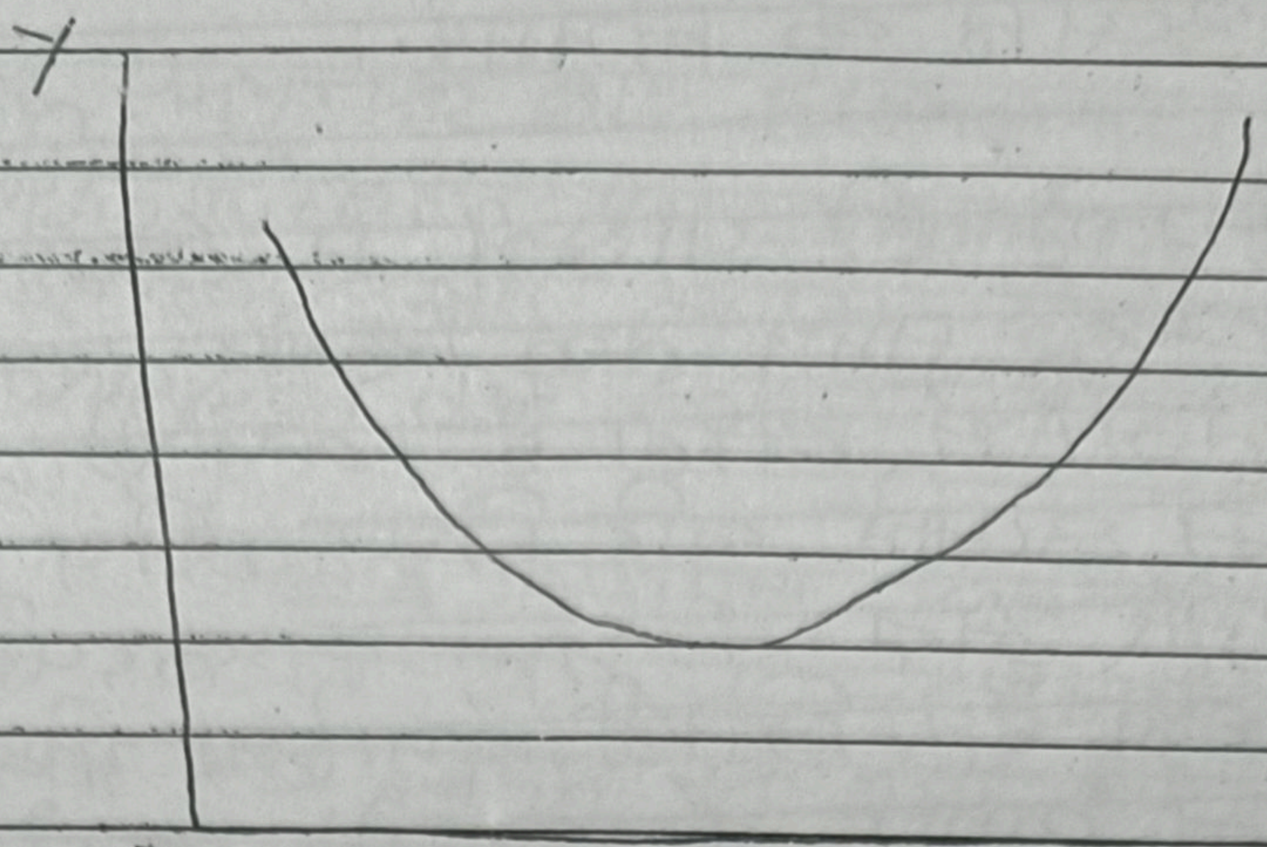

यहाँ LAC स्थिर है। दूसरी ओर Prof. Chamberlin के अनुसार पूर्ण विभाज्यता का अर्थ कभी भी आन्तरिक लाभ की अनुपस्थिति से नहीं होती। अर्थात् उत्पत्ति समता नियम लगातार नहीं लागू हो सकती। इसलिए दीर्घकालीन औसत लागत अल्पकालीन लागत वक्र के समान ही शुरू से नीचे गिरेगा। कुछ समय तक स्थिर रहेगा। फिर तेजी से ऊपर की ओर उठेगा। अर्थात् LAC के समान U-shaped होता है। जैसा कि निम्नलिखित चित्र से स्पष्ट है:-

अब प्रश्न उठता है कि लागत वक्र U-shaped क्यों होता है? क्या इसके अपवाद भी है?

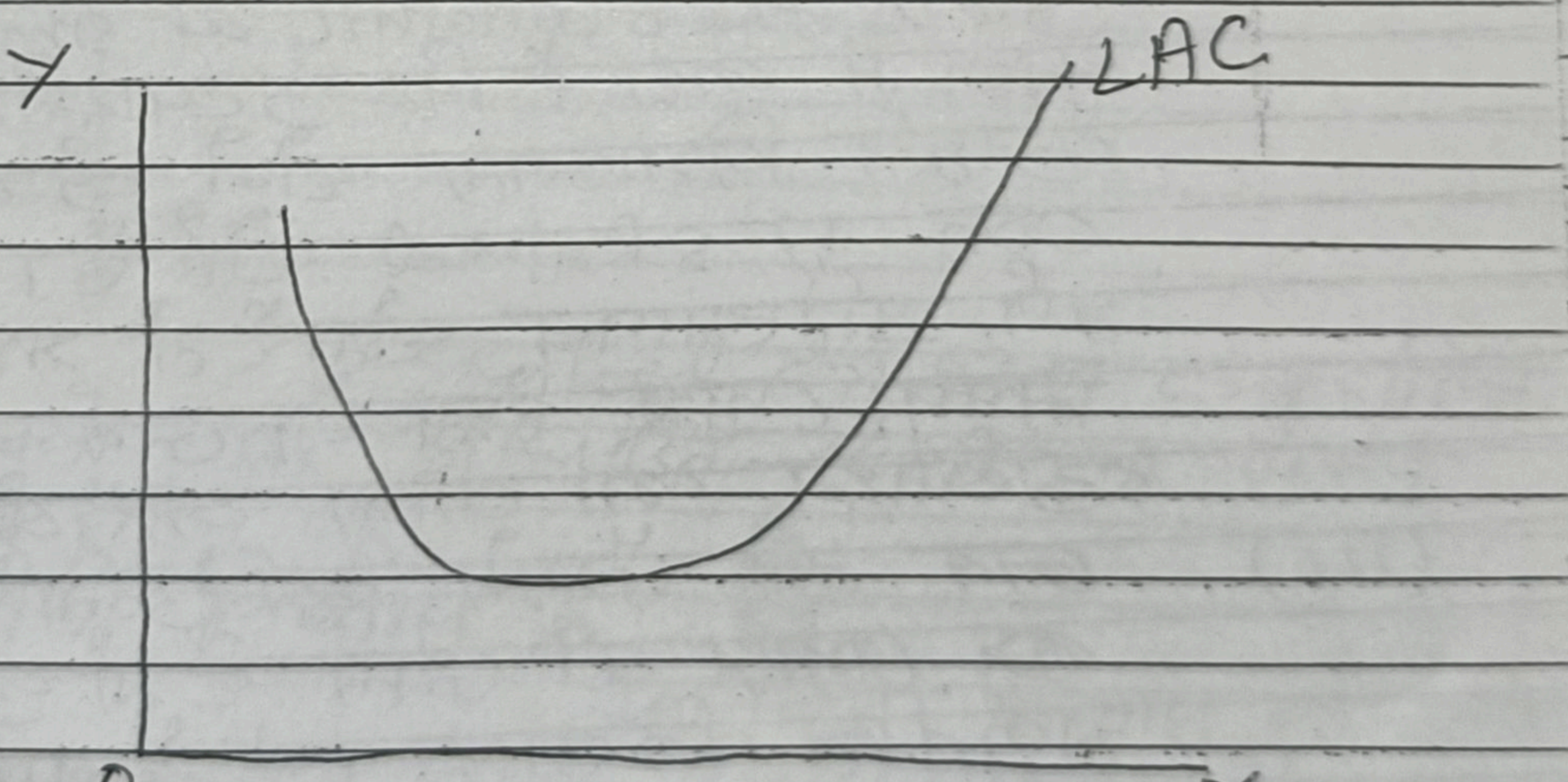

सामान्य रूप से लागत-वक्र निम्नलिखित कारणों से U-shaped होता है:—

(i) उत्पत्ति के नियम :-

उत्पत्ति के नियम के चलते ही प्रारम्भ में लागत-वक्र घटता है। कुछ समय तक स्थिर रहता है और बाद में तेजी से बढ़ता है। क्योंकि कुछ में हर उत्पादन में उत्पत्ति वृद्धि नियम बीच में समता नियम और अन्त में क्रमागत उत्पत्ति ह्रास नियम लागू होता है। जिसकी व्याख्या Prof. A.C. Pigou ने लागत के रूप में करते हुए उन्हें क्रमशः लागत ह्रास नियम, लागत समता नियम और अन्त में लागत वृद्धि नियम का लागू होना कहा है। जैसा कि नीचे के चित्र से स्पष्ट है।

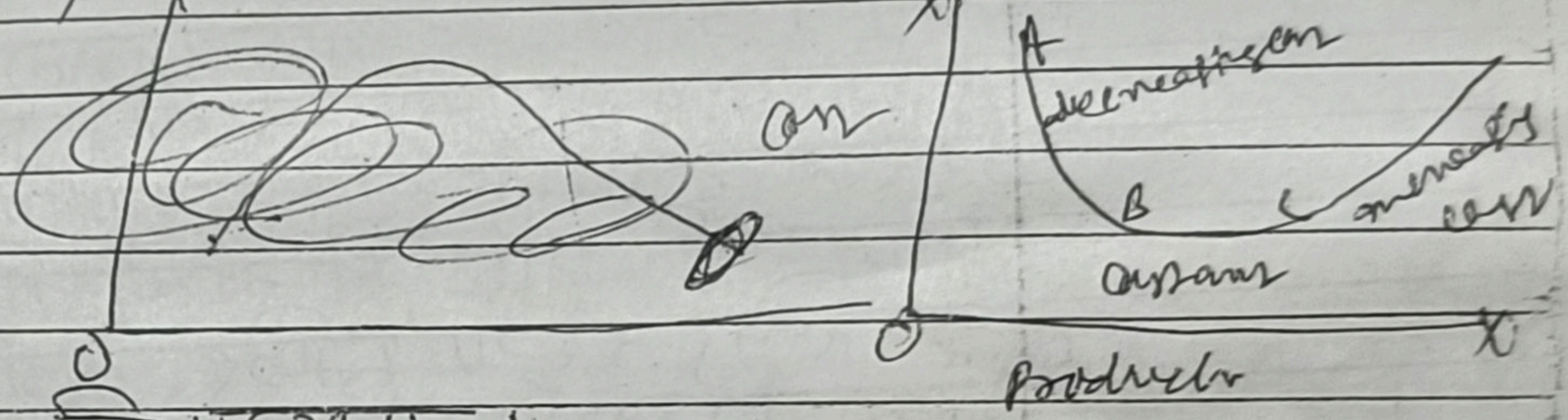

(ii) अपूर्ण विभाजन :-

Mrs. Robinson ने अपनी पुस्तक The Economic of Imperfect Competition में कहा है कि उत्पादनों के साधनों में अपूर्ण विभाजन होने के कारण ही लागत कुछ U-Shaped होते हैं। यदि वे आपस में पूर्ण-प्रतिस्थापन होता है तो क्रमागत उत्पत्ति ह्रास नियम लागू होता है। जब बड़े पैमाने के उत्पादन का लाभ बराबर मिलता है।

(iii) जब बड़े पैमाने का उत्पादन का लागत समाप्त हो जाता है तो कुछ समय तक तकनीकि विकास एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के कारण लागत-वक्र स्थिर हो जाता है। उत्पत्ति समता नियम लागू होने लगती है। इसलिए उत्पादन के दृष्टि से Cost Curve का निचला भाग U-अक्षर का होता है।

(iv) कुछ समय के बाद Economics of large scale of production diseconomics में बदल जाता है, आन्तरिक और बाह्य दोनों ही काम समाप्त हो जाता है तब लागत वक्र ऊपर की ओर उठता है।

उपर्युक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि लागत वक्र U-shaped मूल रूप से उत्पत्ति के नियम से होता है। किन्तु हाल में ही कुछ अमेरीकी अर्थशास्त्रियों ने लगभग 1500 वर्षों तक अमेरिका के कुछ उद्योगों का लागत विश्लेषण करते हुए यह निष्कर्ष पर पहुँचा कि लागत वक्र U-shaped नहीं बल्कि L-shaped होता है जैसा कि निम्नलिखित रेखाचित्र से स्पष्ट है :—

L-shaped का होना व्यावहारिक अनुभवों पर आधारित है इसका मुख्य रूप से है।

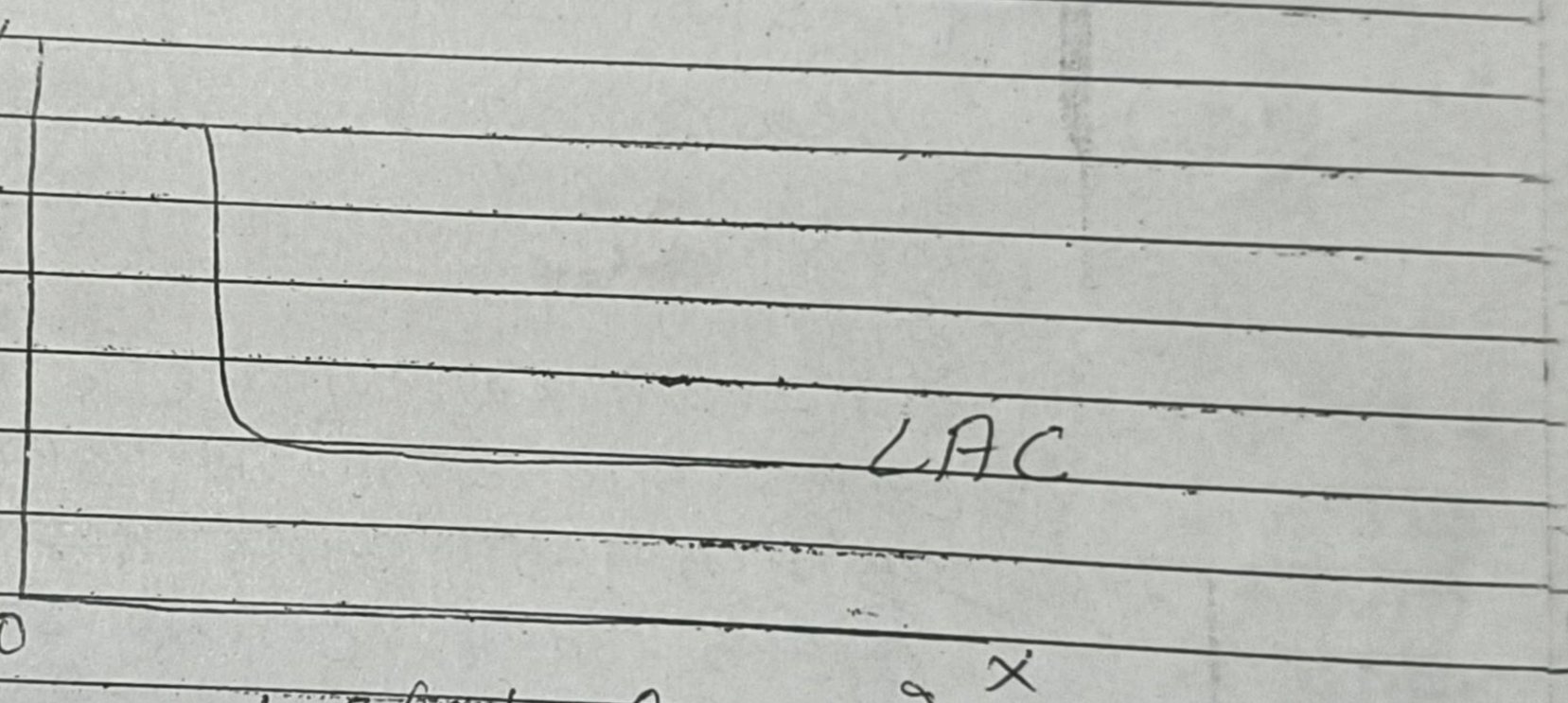

(2) तकनीकी विकास →

ऐसा देखा गया है कि तकनीकी विकास के चलते दीर्घकालीन औसत वक्र बढ़ने के बदले घटता भी है जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है।